बैठे स्मार्ट
सकता है।
दिसंबर को
की परीक्षा
की परीक्षा
होगी।

के जो छात्र
अंक लाएंगे,
दी जाएगी।
त्र में अपना
ए विशेषज्ञों
ट्रेजरर प्रभु
मौजूद थे।

ा की पटना
9वीं, 10वीं,

शताब्दी समारोह के मौके पर प्रतियोगिता का आयोजन

बच्चों को सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराने के लिए कला संस्कृति एवं युवा विभाग संग्रहालय निदेशालय आलेख प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है।

फाउंडेशन फॉर आर्ट कल्चर एथिक्स एंड साइंस के संयुक्त तत्वावधान में चामर ग्राहिणी यक्षिणी के प्राप्ति के शताब्दी वर्ष में पटना संग्रहालय में 23 नवंबर को सुबह 11 बजे प्रतियोगिता आयोजित होगी। शैक्षणिक कार्यक्रम में मीडिया पार्टनर के रूप में दैनिक जागरण का सहयोग होगा। प्रतियोगिता में नौवीं से 12वीं तक छात्र भाग ले सकते है। जिन्हें 700 शब्दों में एक आलेख लिखना होगा। चामर–गृहणी यक्षिणी परिचय, ऐतिहासिक और कला पक्ष विषय पर छात्रों को अपनी आलेख प्रस्तुत करना है। तीन प्रमुख आलेखों को पुरस्कृत किया जाएगा एवं तीन सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा। संस्था के सचिव व अभिनेत्री सुनीता भारती एवं संग्रहालय के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार ने कहा कि प्रतियोगिता अपने आप में एक विशेषता लिए हुए है। प्रतिभागियों को आलेख लिखने के दौरान कलाकृतियों के संबंध में जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही छात्रों में शोध प्रवृति तथा लेखन और वाचन की क्षमता का विकास होगा।

रेनो ने लांच किया क्विड एएमटी

कौमी एकता सप्ताह का आयोजन

पटना (आससे) । पूर्व मध्य रेल में 19 नवम्बर से 25 नवम्बर तक कौमी एकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का अयोजन किया जा रहा है । इस अवसर पर बुधवार को विचार गोष्ठी-सह-कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य कार्मिक अधिकारी सुशांत झा ने कौमी एकता सप्ताह के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी से इस सप्ताह को सफल बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया । विचार गोष्ठी के अंतर्गत वक्ताओं ने कौमी एकता पर अपने-अपने विचार प्रकट किए। इनमें से भूषण कुमार, छबीला प्रसाद सिंह, एस.के.सिंह, पी.के.सिंह, शंभू प्रसाद,शंभू कुमार,नरेश प्रसाद ने विभिन्न कोणों से इसके महत्व को उजागर किया। दूसरे सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी दिनेश चन्द्र, राजकिशोर राजन व श्वेता शेखर ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

अमृता भारद्वाज बनी ओपन लेटर प्रतियोगिता की विजेता

(आज समाचार सेवा)

पटना। कला संस्कृति एवं युवा विभाग (संग्रहालय निदेशालय), पटना संग्रहालय एवं फाउंडेशन फॉर आर्ट, कल्चर, एथिक्स एंड साइंस, पटना के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को चामर-ग्राहिणी यक्षिणी शताब्दी वर्ष (ओपन लेटर) आलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, पटना विवि के विभागाध्यक्ष डॉ. वी के जमुआर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे।

अपने संबोधन में डॉ. वी के जमुआर ने कहा कि चामर-ग्राहिणी यक्षिणी एक विश्व-विख्यात कलाकृति है, जो 18 अक्टूबर 1917 को पटना के दीदारगंज में प्राप्त हुई थी और वर्तमान में पटना संग्रहालय में सुरक्षित है। ईसापूर्व तीसरी शताब्दी की यह प्रस्तर कलाकृति अपनी ऐतिहासिकता, कलात्मकता और निर्माण-तकनीक के लिए विश्व-प्रसिद्ध है। वर्तमान वर्ष 2016 इस अदभुत ऐतिहासिक कलाकृति के प्राप्ति का शताब्दी वर्ष है,

जिसे बिहार सरकार ने वर्ष 2016-17 को कला-वर्ष के रूप में मानाने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने (चामर-ग्राहिणी यक्षिणी, परिचय, ऐतिहासिकता और कला-पक्ष पर इतिहासज्ञों की एक निर्णय मंडल के समक्ष अपने आलेख प्रस्तुत किये। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से करीब 50 छात्रों ने भाग लिया जिसमे अमृता भारद्वाज ने प्रथम, शालिनी कुमारी ने द्वितीय व कुमारी हर्षा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में निर्णायक मंडल द्वारा विजयी छात्रों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण सुनीता भारती ने व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शंकर सुमन ने दिया।

Raja Rani Yantra

23.11.2016

8.30	Pahla Daw	52
9.00	Subh	68
9.30	Kiran	64
10.00	Hindustani	37
10.30	Parbat	07
11.00	Lajbab	11

फोटोग्राफी व नाटक की प्रस्तुति हुई।

काव्य पाठ में 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया इसमें शैलजा, दिव्या, कीर्ति और राजन ने द्वितीय व सुरभि तृतीय स्थान पर रहीं। नाटक में प्रथम स्थान राजन कुमार सिंह, द्वितीय स्थान दिव्या व तीसरा स्थान सुधांशु आनंद को मिला। इसमें नौ प्रतिभागी थे।

वित्त निगम के एमडी गंगा कुमार ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य में कला के विकास के लिए सरकार गंभीरता से काम कर रही है। उद्घाटन समारोह में बिहार कला

वह हमेशा काम करते रहेंगे। बिहार कला संघ ने बिहार कला सम्मान से सम्मानित कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन संघ के सचिव वीरेंद्र कुमार सिंह ने किया।

स्कूली बच्चों ने सुनाई दीदार यक्षिणी की कहानी

पटना • डीबी स्टार

म्यूजियम में (बाएं से) जज डॉ. शिव कमार मिश्र, डॉ. उमेश चन्द्रा, डॉ. चितरंजन प्र. सिंह।

पटना संग्रहालय के सभागार में बुधवार को स्कूली बच्चों ने चामर ग्राहिणी यक्षिणी के इतिहास और इसकी कला के बारे में विस्तार से बताया। यह मौका था यहां कला-संस्कृति एवं युवा विभाग के पटना संग्रहालय और फाउंडेशन फॉर आर्ट, कल्चर, एथिक्स एंड साइंस पटना के संयुक्त तत्वावधान में 'चामर-ग्राहिणी यक्षिणी' के शताब्दी-वर्ष होने के उपलक्ष्य में आयोजित आलेख प्रतियोगिता का। बच्चों ने बताया कि 'चामर-ग्राहिणी यक्षिणी' या दीदारगंज-यक्षिणी एक विश्व-विख्यात कलाकृति है, जो 18 अक्टूबर 1917 को पटना के दीदारगंज में प्राप्त हुई थी। यह वर्तमान में पटना संग्रहालय में सुरक्षित है। इस वर्ष इसकी प्राप्ति को 100 वर्ष पूरे हुए हैं। इस आलेख प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के करीब 50 छात्रों और उनके शिक्षकों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल के द्वारा तीन छात्र सर्वोत्तम आलेख के लिए पुरस्कृत हुए। इसमें प्रथम कार्मेल हाईस्कूल बेली रोड की अमृता भारद्वाज, दूसरा पुरस्कार आर्मी पब्लिक स्कूल दानापुर की शालिनी, तीसरा पुरस्कार कार्मेल हाईस्कूल बेली रोड की हर्षा को मिला। इसके साथ ही हर्षित पाठक, कात्या प्रसाद, अपर्णा शंकर, आयुषी सिंह, रूकसार फातिमा को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। डॉ. उमेश चंद्र द्विवेदी, डॉ चितरंजन प्रसाद, डॉ शिव कुमार मिश्र जज थे। मुख्य अतिथि डॉ वीके जमुआर थे, मंच संचालन अरविंद कुमार, शुभम सिंह और पुष्कर प्रिय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन अभिनेत्री और एफएसीइएस की सचिव सुनीता भारती ने किया। पटना संग्रहालय के अध्यक्ष डॉ विजय कुमार, सहायक संग्रहालयाध्यक्ष डॉ शंकर प्रसाद, सुनीता भारती आदि ने यक्षिणी की मूर्ति को लेकर अपनी बात रखी।

पटना • डीबी स्टार

ऑक्सफैम इंडिया की ओर से 'बनो नई सोच' अभियान की शुरुआत 25 नवंबर से की जा रही है। बुधवार को होटल पाटलिपुत्र अशोका में हुए कार्यक्रम में संस्था की सीईओ निशा अग्रवाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं और लड़कियों के साथ होने वाली हिंसा को समाप्त करने के लिए अभियान की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ हिंसा देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी होती है।

40 देशों में इस अभियान को एक साथ शुरू किया जाएगा। देश में इस अभियान की शुरुआत पटना से होगी। निशा अग्रवाल ने कहा कि देश में 40 फीसदी महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार हैं। आज भी महिलाओं को अपने

अधिकारों की जान
अभियान में सरक
14 साल से ऊपर
जागरूक किया ज
आने वाले समय
और पुरुषों के बीच
असमानता को ख
सके। उन्होंने कहा
जो सीखते हैं उसे
को भी समझाते
को ध्यान में रख
के बच्चों को भी
शामिल करने का
गया। संस्था के
प्रविंद कुमार प्रवीण
यह एक जागरुकता
इसमें लोगों को प
स्लोगन, किताबों
साइट्स की मदद
जाएगी। साथ ही
लड़कियों को भी
जाएगा।

नवंबर को दूसरी कक्षा से लेकर अंतिम कक्षा तक विभिन्न तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित करानी है।

की पहल

नए जिम के उपकरण

● स्काई वॉकर ● लेग प्रेसर ● एयर वॉकर ● रॉवर ● क्रॉस ट्रेनर ● चेस्ट प्रेस ● स्केटेड पुलर ● पेक डीक ● पारलेल बार ● होरिजोंटल बार ● वेट लिफ्ट ● सिटअप बार्ड ● बैक एक्सपेंसिनर ● मल्टी फंक्सनल ट्रेनर ● ट्रिपल ट्विस्टर।

जिम करने आती हैं सैकड़ों महिलाएं

● इको पार्क में जिम करने रोजाना सुबह और शाम सैकड़ों की संख्या महिलाएं आती हैं। इको पार्क में पटना का एक मात्र ओपेन जिम है। यही वजह है कि इको पार्क में महिलाओं की तादाद हाल में बढ़ी हैं।

हरिश्चन्द्र सिंह राठौर के संरक्षण में आयोजित हो रही इस कार्यशाला के संयोजक सीबीएस के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार सिंह हैं।

यक्षिणी शताब्दी वर्ष पर ओपेन लेटर प्रतियोगिता

पटना | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

पटना संग्रहालय के सभागार में कला-संस्कृति एवं युवा विभाग, फाउंडेशन फॉर आर्ट एंड कल्चर और एथिक्स एंड साइंस की ओर से चामर-ग्राहिणी यक्षिणी शताब्दी-वर्ष पर ओपन-लेटर (आलेख) प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें छात्रों ने चामर-ग्राहिणी यक्षिणी का परिचय, ऐतिहासिकता और कला-पक्ष पर इतिहासकारों के निर्णायक मंडल के समक्ष अपने आलेख प्रस्तुत किये।

प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से करीब 50 छात्रों और उनके शिक्षकों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल के द्वारा तीन छात्रों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार के विजेता कार्मेल उच्च विद्यालय, बेली रोड कक्षा 12 की अमृता भारद्वाज, द्वितीय पुरस्कार आर्मी पब्लिक स्कूल, दानापुर कक्षा 10 की शालिनी कुमारी और तृतीय पुरस्कार कार्मेल उच्च विद्यालय बेली रोड, कक्षा 10 की हर्षा रही। पांच छात्रों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। हर्षित पाठक, कात्या प्रसाद, अपर्णा शंकर, आयुषी सिंह एवं रुकसार फातिमा को मिला। डॉ. वी. के. जमुआर ने सभी मेघावी छात्रों को पुरस्कृत किया। मौके पर अरविन्द कुमार, शुभम सिंह, डॉ. शंकर सुमन, सुनीता भारती शामिल थे।